❖ अमरावती, गुरुवार १ मई से ७ मई २०२५ ❖ वर्ष १५ ❖ अंक ४५ मूल्य १०/- पृष्ठ १२ ❖पोस्टल रजि. नं. ATI/RNP/268/2025-2027 डाक : शुक्रवार - शनिवार

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

विदर्भ स्वाभिमान

संपादक : सुभाषचंद्र जे. दुबे | प्रबंधक : सौ. वीणा एस. दुबे

भगवान परशुराम जन्मोत्सव विशेषांक

बाबूजी के आदर्श

समाज में जब निस्वार्थ की भावना होती है तो वह समाज अथवा परिवार लगातार तरक्की करता है. लेकिन स्वार्थी भावनावाला समाज और परिवार कभी तरक्की नहीं कर पाता है. एकता समय की जरुरत है सभीने इसका संकल्प लेना चाहिए.

- विशेष सहयोग-

चंद्रकुमार जाजोदिया, सुदर्शनजी गांग, विजय शर्मा, रमेश उर्फ पप्पु छांगाणी, प्राचार्य सुधीर महाजन (इंदौर), राजेश दुबे (हिमाचल प्रदेश), दुबे-त्रिपाठी परिवार, अभिलाष मिश्रा, डॉ. कंवलजीत पांडे, रामेश्वर उपाध्याय, बालकिसन पांडेय, ॲड. राजेंद्र पांडेय.

त्यागी, तपस्वी और महान बलशाली हैं चिरंजीवी भगवान परशुराम

ब्राह्मण समाज के आराध्य भगवान परशुराम त्यागी, तपस्वी और महान राजा हुए हैं जिन्होंने क्षत्रिय राजाओं का अत्याचार खत्म करने के लिए २१ बार धरती से उनका विनाश किया है. भक्ति,शक्ति और माता-पिता के आदर्श पुत्र के रूप में समूचा विश्व उनको नमन करता है. विदर्भ स्वाभिमान उनके जीवन और उनके कार्यों पर यह विशेष लेख प्रस्तुत कर रहा है.निश्चित रूप से, मैं आपको परशुराम जी के बारे में जानकारी देता हूं.

भगवान परशुराम:

भगवान परशुराम को भगवान विष्णु का छठा अवतार माना जाता है. उनका जन्म ऋषि जमदग्नि और माता रेणुका के घर हुआ था। उनके चार भाई थे - रुक्मवान, सुषेण, वसु और विश्वावसु. जन्म के समय उनका नाम राम था.भगवान शिव की कठोर तपस्या करने के बाद, उन्होंने उनसे युद्ध कला का ज्ञान और कई अस्त्र प्राप्त किए. भगवान शिव ने उन्हें 'परशु'(फरसा या कुल्हाड़ी) नामक एक अस्त्र भेंट किया, जिसके कारण उनका नाम परशुराम पड़ा. परशुराम शस्त्र विद्या के महान गुरु थे. उन्होंने भीष्म, द्रोणाचार्य और कर्ण जैसे महान योद्धाओं को शिक्षा दी थी. उन्हें अपने प्रचंड क्रोध के लिए भी जाना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, उन्होंने अहंकारी हैहयवंशी क्षत्रियों का पृथ्वी से २१ बार संहार किया था. माना जाता है कि परशुराम चिरंजीवी हैं और वे आज भी जीवित हैं और महेंद्र पर्वत पर तपस्या कर रहे हैं. कुछ मान्यताओं के अनुसार, वे कलिकाल के अंत में भगवान विष्णु के कल्कि अवतार के समय फिर से प्रकट होंगे. अक्षय तृतीया के दिन परशुराम जयंती मनाई जाती है.

उनके माता-पिता और गुरु:

पिता: ऋषि जमदग्नि

माता: रेणुका

गुरु: भगवान शिव और अपने पिता ऋषि जमदग्नि से उन्होंने शास्त्रों का ज्ञान प्राप्त किया. उन्होंने अपने पिता के मामा राजर्षि विश्वामित्र से भी शस्त्र चलाने की शिक्षा प्राप्त की थी. परशुराम जी भारतीय संस्कृति में एक महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं और उन्हें शक्ति, न्याय और धर्म के प्रतीक के रूप में पूजा जाता है.

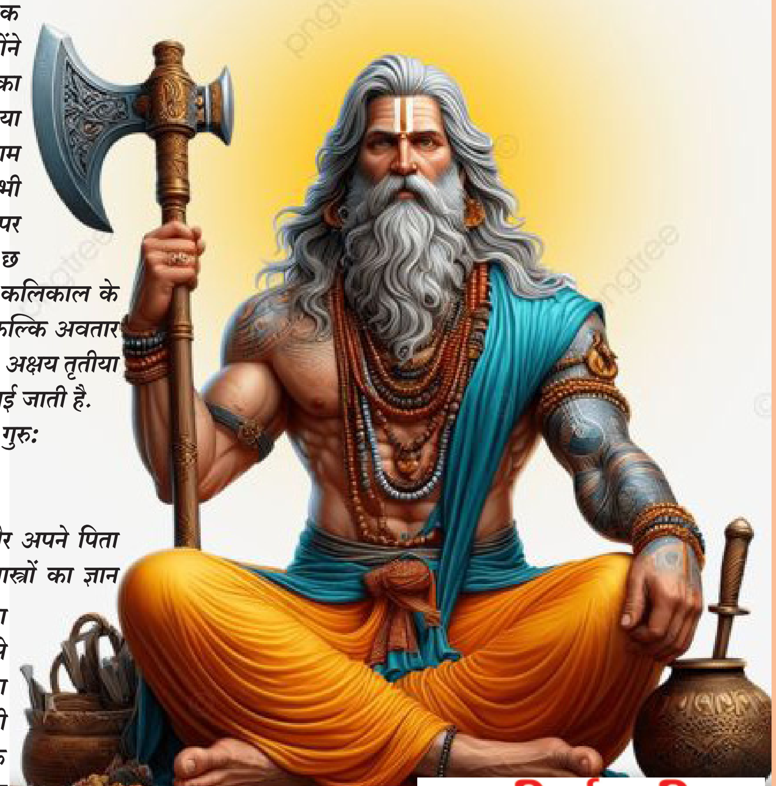

विदर्भ स्वाभिमान Cover Story
सुभाष दुबे,संपादक

अतिथि संपादक

विक्की उर्फ विजय पुरुषोत्तम शर्मा

संयोजक, भगवान परशुराम शोभायात्रा समिति अमरावती

सभी समाज बंधुओं का साधुवाद

ब्राह्मण समाज के आराध्य भगवान परशुराम साक्षात भगवान विष्णु के अवतार माने जाते हैं. भगवान भोलेनाथ की आराधना करते हुए उन्होंने भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न किया और भोलेनाथ उन पर प्रसन्न होकर उन्हें शास्त्र के रूप में परसु यानी फरसा दिया. भगवान भोलेनाथ से प्राप्त परशु के कारण बाद में उन्हें संसार में परशुराम के रूप में पहचान मिली. महान तपस्वी और महान बलशाली के रूप में जहां भगवान परशुराम ने विश्व में ब्राह्मण समाज को प्रतिष्ठित किया वहीं यह संदेश भी देने का कार्य किया कि प्रभु में अपार विश्वास रखने वाला यह समाज सदेव सेवा भाव और राष्ट्र भाव को महत्व देता है. लेकिन इसके साथ ही अन्याय और अत्याचार के खिलाफ ब्राह्मण समाज कभी झुका नहीं. विश्व में भगवान परशुराम ही ऐसे राजा हुए हैं जिन्होंने अत्याचार करने वाले राजाओं से २१ बार धरती को मुक्त कर दिया था. बदलते वक्त में आज सर्वशाखीय ब्राह्मण समाज की एकता और एक सूत्र में बंधने के साथ हम सभी को एकता के सूत्र में इस तरह बांधना चाहिए की सबसे बड़ी ताकत बने और एक दूसरे का सहयोग करने का संकल्प लेना चाहिए. केवल उच्च जाति होने के कारण कई दशकों से ब्राह्मणों पर अन्याय और अत्याचार हो रहा है लेकिन यह भगवान परशुराम की कृपा नहीं तो और क्या है की तमाम अत्याचार सहने के बाद भी ब्राह्मण समाज आज भी अपनी योग्यता और अपनी काबिलियत के चलते विभिन्न क्षेत्रों में छाया हुआ है. अगर पूरे समाज में एकता हो जाए और हम एक दूसरे को हम सफर बना लें तो आज भी दुनिया में कोई ऐसी ताकत नहीं है जो ब्राह्मण समाज को किसी भी क्षेत्र में पीछे कर सके. आज भी योग्यता के बलबूते ही ब्राह्मण समाज हर क्षेत्र में अपने कार्य की अमिट छाप छोड़ रहा है. अमरावती में २९ अप्रैल को भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष में भव्य शोभायात्रा अंबापेठ से निकल रही है. इसमें शामिल होकर सभी ब्राह्मण बंधु एकता का परिचय दें और आराध्य भगवान परशुराम जन्मोत्सव को सफल बनाने में साथ दें.

संपादकीय ......

एकता का संकल्प लेना चाहिए

ब्राह्मण समाज के आराध्य भगवान परशुराम जन्मोत्सव तथा अमरावती में निकल रही भव्य शोभा यात्रा को हमारी हार्दिक शुभकामनाएं. बदलते समय में आज एकता का महत्व सबसे अधिक हो गया है. बात चाहे परिवार की हो, समाज की हो अथवा राष्ट्र की हो, अगर हम एकता के सूत्र में बंधे हैं तो ही हर मामले में हमारी सुरक्षा और मजबूती निश्चित रूप से रहेगी.

जीवन में सयाना होना बहुत अच्छी बात होती है. ब्राह्मण समाज विद्वान है, जन्मजात अत्यधिक बुद्धि वाला है, सयाना है यह बताने की जरूरत ही नहीं है, लेकिन इसके साथ यह समाज राष्ट्रीय स्तर पर अपनी योग्यता का उपयोग आज तक नहीं ले सका, इससे कोई भी इनकार नहीं कर सकता. मेरा मानना है कि संयुक्त परिवार लगभग खत्म होने की स्थिति में पहुंच गया है, हम दो हमारे दो वाला दौर तेजी से आगे आ रहा है, जो परिवार का नहीं होता है वह किसी का नहीं होता है, ऐसे अकेले व्यक्ति को आसानी से तोड़ना कोई नई बात नहीं है. अगर परिवार एकजुट है तो किसी की हिम्मत उसकी तरफ आंख उठा कर देखने की नहीं रहती है, इसी तरह जब समाज एकजुट होता है तो वह अपने आप में बड़ी ताकत बन जाता है. आज समय बदल रहा है जहां एकता है वहीं ताकत रहती है लेकिन जहां भाई-भाई में मन-मुटाव होता है, उसे परिवार को तोड़ना कोई नई बात नहीं होती है. ब्राह्मण समाज के लिए आने वाले दिन अत्यधिक चुनौतियां वाले रहने वाले हैं, अगर इससे निपटना है तो निश्चित तौर पर हमें एकता के सूत्र में बंध कर न केवल स्वयं को बल्कि आने वाली पीढ़ियां को भी सुरक्षित करने का प्रयास करना चाहिए. भगवान परशुराम स्वयं अन्याय और अत्याचार के खिलाफ लड़े और यह संदेश दिया कि अगर हम एकजुट रहेंगे तो ही बड़ी ताकत बन पाएंगे. इतिहास इस बात का गवाह है कि जिस परिवार में घर का भेदी होता है और जो अपने ही परिवार की बुराई करने का कार्य करता है, जीवन में ना तो वह व्यक्ति कभी सम्मान पाता है और उसकी इस तरह की हरकतों से परिवार भी कभी गौरवान्वित नहीं हो पता. ब्राह्मण समाज जिस दिन परिवार के प्रति ईमानदार हो जाएगा, उसके बाद इस समाज को झुकाने की ताकत कोई नहीं रख पाएगा. हमें संकल्प लेना चाहिए कि परिवार की एकता के साथ ही हम समाज की एकता में भी अपना योगदान देंगे.

दयालू शिवप्रसाद दुबे चाचाजी

जीवन में कुछ लोगों का साथ कभी नहीं भूला जा सकता है. बचपन के ग़रीबी के दिनों में जब भूख अत्यधिक परेशान करती थी, उस समय स्वयं की स्थिति भी इसी तरह की रहने के बावजूद भी अपने भोजन में से देने की मानसिकता ही दयालुता का सबसे बड़ा लक्षण हुआ करती थी. मेरे जीवन में संवेदनशील पूज्य पिताजी पंडित जमुनाप्रसाद पारसनाथ दुबे की संवेदनशीलता और साधुता के बाद अगर किसी व्यक्ति का मेरे जीवन पर अगर असर पड़ा है तो वह हैं मेरे दयालुता का जीवन भर व्यवहार करने वाले आदरणीय चाचा पंडित शिवप्रसाद पारसनाथ दुबे.

मुझे बचपन का जहां तक याद है, चाचाजी आदर्श शिक्षक के रूप में हजारों छात्रों का जीवन संवारने में जहां सफल रहे हैं, वही उनके मिलनसार स्वभाव के कारण न केवल धौरहरा बल्कि आसपास के कई दर्जन गांवों में उन्हें गुरुजी के रूप में सम्मान दिया जाता है. उनका जीवन भले ही संघर्षरत रहा, लेकिन उन्होंने कभी जीवन में अपने बच्चों और बड़े अथवा छोटे भाई के बच्चों के बीच कभी किसी तरह का मतभेद नहीं किया. यही कारण है कि आज भी मैं उनमें अपने पिता की छवि देखता हूं. धर्म और आध्यात्मिक चाचाजी का श्री रामचरितमानस और श्रीमद् भागवत सहित अन्य धार्मिक किताबें आज भी पढ़ना नहीं भूलते हैं. श्री रामचरितमानस की कोई भी चौपाई अथवा दोहा आप बोलने के बाद वे तुरंत बता देंगे की रामायण के किस अध्याय की यह चौपाई अथवा दोहा है. बचपन से ही अत्यधिक संवेदनशील थे. मुझे लगता है जीवन में सकारात्मक सोच और हर जीव के प्रति दया भावना रखने वाले व्यक्ति पर प्रभु की सदैव कृपा रहती है. यही कारण है कि आज आदर्श पिता के रूप में उन्होंने जहां अपनी चारों बेटियां गीता, रीता, रंजीता तथा अंतिमा का शानदार ढंग से विवाह किया और आज चारों ही बिटिया खुशहाल जीवन जी रही हैं, वहीं बचपन से ही मेहनत को कामयाबी का सूत्र मानने वाले बड़े बेटे राजेश दुबे और सर्वेश दुबे के बीच का प्रेम निश्चित तौर पर आधुनिकता के दौर में अनुकरणीय कहना गलत नहीं होगा. आदर्श शिक्षक के रूप में जहां उन्होंने हजारों छात्रों का भाग्य संवारने का कार्य किया है, वहीं आदर्श संस्कार के माध्यम से परिवार को भी न केवल आगे बढ़ाया बल्कि आज पंडित शिव प्रसाद दुबे का परिवार क्षेत्र के कई गांव में अत्यधिक सम्मानित परिवार के रूप में माना जाता है. जीवन में पत्नी का साथ छूटना निश्चित तौर पर सबसे ज्यादा दुखदाई क्षण होता है, बावजूद इसके चाचा जी ने जिस तरह से परिवार को हिम्मत बधाई और आज दोनों भाई एक दूसरे को समझते हुए जिस तरह से आगे बढ़ रहे हैं, वह निश्चित तौर पर न केवल सराहनीय बल्कि आगामी पीढ़ी को प्रेरणा देने में निश्चित तौर पर सफल होगी, इसमें किसी तरह का संदेह नहीं होना चाहिए.

हिन्दी साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान यह पत्र मालिक, प्रकाशक, सम्पादक-सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे ने एस.बी. प्रिन्टर्स, गांधी चौक,जिला अमरावती (महाराष्ट्र)से मुद्रित कर प्रकाशित किया है. मुद्रक-श्री संदीप बागडे,एस.बी. प्रिन्टर्स, गांधी चौक,अमरावती.जिला अमरावती (महाराष्ट्र).प्रकाशन स्थल-साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती. (महाराष्ट्र) मुख्य सम्पादक-सुभाषचंद्र जे.दुबे (पी.आर.बी.कानून के अनुसार सर्वस्वी जवाबदार).मुख्य प्रबंधक- वीणा दुबे,(सभी विवाद अमरावती न्यायालय अंतर्गत)आर.एन.आई.रजिस्ट्रेशन नंबर MAHHIN/2010/43881
मोबाइल नं.-09423426199,8855019189/8208407139
E-Mail-vidarbhswabhiman@gmail.com | www.vidarbhswabhiman.com

भक्ति, शक्ति, ज्ञान और त्याग के प्रतीक भगवान परशुराम

अन्याय के खिलाफ जिन्होंने दिया सदैव लड़ने की सीख -सुदर्शन गांग

अमरावती-पवित्र भारत भूमि में प्रकृति और परमात्मा के बीच सदैव अनूठा तालमेल रहा है. इस पवित्र धरा पर प्रभु ने जहां अवतार लिया,वहीं जहां प्रभु श्री राम ने मर्यादा पुरुषोत्तम का पाठ पूरे विश्व को पढाया वही उनके छठवें अवतार के रूप में भगवान परशुराम का जिक्र किया जाता है. यह भक्ति, धर्म, शक्ति और ज्ञान के संगम थे. माता-पिता के आदर्श भक्त के साथ उन्होंने अन्याय किसी भी रूप में सहन नहीं करने की प्रेरणा समुचे संसार को दी. ब्राह्मण समाज ही नहीं तो सभी राष्ट्रभक्तों को उनकी यह सीख लेनी चाहिए. इस आशय का प्रतिपादन समाजसेवी सुदर्शन गांग ने किया.

विदर्भ स्वाभिमान के भगवान परशुराम जन्मोत्सव विशेषांक को अपनी शुभकामनाएं देते हुए समस्त ब्राह्मण समाज को उनके आराध्य भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष में अपनी शुभकामनाएं दी. साथ २९ अप्रैल को निकाली जा रही शोभा यात्रा को अपनी शुभकामनाएं दी. भगवान परशुराम के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि

भगवान परशुराम एक शक्तिशाली और महत्वपूर्ण देवता हैं, जो अपने पराक्रम, क्रोध, न्यायप्रियता और भगवान विष्णु के अवतार के रूप में पूजे जाते हैं.

परशुराम जयंती वैशाख शुक्ल तृतीया को मनाई जाती है. यह दिन अक्षय तृतीया के साथ भी पड़ता है, जिसे बहुत शुभ माना जाता है.इस दिन उनकी पूजा की जाती है और उनकी वीरता, न्याय और त्याग को याद किया जाता है. कई स्थानों पर शोभा यात्राएं और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं.

भगवान परशुराम को भगवान शिव से कई दिव्य अस्त्र-शस्त्र प्राप्त हुए थे, जिनमें उनका प्रसिद्ध परशु (कुल्हाड़ी), एक दिव्य धनुष (सारंग), अक्षय तूणीर और विभिन्न प्रकार के दिव्य बाण शामिल थे.वे ब्रह्मास्त्र समेत कई अन्य शक्तिशाली अस्त्रों के संचालन में भी निपुण थे.

परशुराम के पहले गुरु उनके पिता, ऋषि जमदग्नि थे, जिन्होंने उन्हें वेदों और शास्त्रों का ज्ञान दिया. बाद में उन्होंने भगवान शिव से शस्त्र विद्या की शिक्षा प्राप्त की, जिन्होंने उन्हें कई दिव्य अस्त्र प्रदान किए. ऋषि विश्वामित्र और ऋषि ऋचीक को भी उनका गुरु माना जाता है.परशुराम शस्त्र विद्या के महान गुरु थे और उन्होंने कई प्रख्यात योद्धाओं को शिक्षा दी थी.उनके कुछ प्रमुख शिष्य इस प्रकार हैं.

सुदर्शनजी गांग
मोबाइल नं. ९४२२१५६५२३

भीष्म पितामह: हस्तिनापुर के राजकुमार देवव्रत (भीष्म) ने परशुराम से युद्ध कौशल और धर्म के सिद्धांतों का ज्ञान प्राप्त किया था. महान ब्राह्मण योद्धा द्रोणाचार्य ने परशुराम से सभी प्रकार के शस्त्रों का ज्ञान प्राप्त किया था.

कर्ण: सूर्यपुत्र कर्ण ने अपनी क्षत्रिय पहचान छिपाकर परशुराम से ब्रह्मास्त्र सहित कई दिव्य अस्त्रों का ज्ञान प्राप्त किया था. जब परशुराम को उसकी सच्चाई पता चली, तो उन्होंने कर्ण को श्राप दिया कि वह अपनी सीखी हुई विद्या को सबसे महत्वपूर्ण समय पर भूल जाएगा.

रुक्मी: विदर्भ के राजकुमार रुक्मी भी परशुराम के शिष्यों में से एक थे.

भारत में भगवान परशुराम के कुछ महत्वपूर्ण मंदिर स्थित हैं, जिनमें से कुछ प्रमुख इस प्रकार हैं.

परशुराम महादेव मंदिर (राजस्थान): यह मंदिर अरावली पर्वत श्रृंखला में एक गुफा में स्थित है और भगवान शिव को समर्पित है.माना जाता है कि परशुराम ने स्वयं इस गुफा को अपनी कुल्हाड़ी से बनाया था और यहां भगवान शिव की पूजा करते थे.

मंगेशी मंदिर (गोवा): यह भगवान शिव का एक महत्वपूर्ण मंदिर है, लेकिन परशुराम को इस क्षेत्र का संरक्षक देवता माना जाता है और मंदिर में उनकी भी पूजा की जाती है.

मोकामा, बिहार: यहां एक प्राचीन परशुराम मंदिर स्थित है, जिसके बारे में स्थानीय लोगों का मानना है कि परशुराम ने यहां तपस्या की थी और वे अनादिकाल से यहीं निवास करते हैं.

केरल के मंदिर: केरल को परशुराम क्षेत्र माना जाता है और यहां कई प्राचीन मंदिर हैं जो उन्हें समर्पित हैं या उनसे जुड़े हुए हैं.भगवान परशुराम की कथाएँ और उनका चरित्र भारतीय संस्कृति और धर्म में गहरे तक समाया हुआ है. वे शक्ति, ज्ञान, न्याय और त्याग के प्रतीक हैं.

महान तपस्वी, माता-पिता भक्त भगवान परशुराम

आदर्श विचारों पर चलने से ही होगा कल्याण-प्राचार्य सुधीर महाजन

ब्राह्मण समाज के आराध्य तथा भगवान विष्णु के छठवें अवतार भगवान परशुराम जहां महान तपस्वी, भगवान भोलेनाथ के भक्त, आदर्श गुरु रहे हैं वही चिरंजीव रहने के कारण वे आज भी धरती पर हैं ऐसा माना जाता है. माता-पिता की इतने बड़े भक्त के पिता के आदेश का पालन करते हुए उन्होंने अपनी मां का सिर धड़ से अलग कर दिया था, बेटे की आज्ञाकारी रहने की भूमिका से प्रसन्न होकर पिता तथा महान ऋषि जमदग्नि ने जब उनसे वरदान मांगने कहा तो उन्होंने मां रेणुका को पुनर्जीवित करने का वरदान मांगा और मां को हासिल किया.

भगवान भोलेनाथ के अनन्य भक्त रहने के साथ महान बलशाली रहने से उन्होंने अन्याय करने वाले राजाओं को सदैव कड़ी सजा दी इतना ही नहीं तो २१ बार धरती को क्षत्रियों से मुक्त कर दिया था. अत्यधिक क्रोधी अवतार के रूप में उनके इस अवतार का जिक्र किया जाता है लेकिन इसके साथ ही उन्होंने आदर्श पुत्र के रूप में समूचे विश्व के समक्ष जो आदर्श रखा और महान तपस्या करते हुए भगवान शंकर को प्रसन्न कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया और अन्याय पीड़ितों को इस तरह से न्याय दिलाया, उसे ध्यान में रखते हुए उनके विचारों पर आचरण करने से निश्चित तौर पर न केवल मानवता बल्कि राष्ट्र का निश्चित रूप से कल्याण होगा.

प्राचार्य सुधीर महाजन
मो. नं.७५०६२८०३०७

भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष में राष्ट्रीय स्तर के वक्ता और मोटिवेशनल स्पीकर, पोदार इंटरनेशनल स्कूल इंदौर के प्राचार्य सुधीर महाजन ने कहा कि जहां पर देशवासी देश को प्रथम स्थान पर रखते हैं, पूरे विश्व के समक्ष वही राष्ट्र शक्तिशाली और सबसे आगे रहता है. भगवान परशुराम ने धरती को यह संदेश दिया कि अगर आप अपनी जगह सही हो तो आपको अन्याय अत्याचार करनेवाले किसी भी व्यक्ती के सामने झुकने की कदापी जरुरत नहीं. उन्होंने अत्याचारी राजाओं का २१ बार खातमा किया था.

सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के नायक है रवि राणा

गरीब जनता जिन्हें मानती है हक का नेता, राजनीति में चाणक्य की बन रही प्रतिमा

विधायक रवि राणा न केवल विदर्भ,राज्य बल्कि दिल्ली तक दबंग नेता के रूप में सुख्यात हुए हैं. वे जहां जनता के लिए कुछ भी करने तत्पर रहते हैं, वहीं बडनेरा विधानसभा क्षेत्र में उनके जैसा प्यार आजादी के बाद से किसी नेता के नसीब नहीं हुआ. विधायकी का जहां रिकार्ड उन्होंने बनाया, वहीं तमाम विपक्षी प्रयासों के बाद अपना विरोध करने वालों को धूल चटाने वाले नेता के रूप में उन्हें पूरा महाराष्ट्र जानता है.

उनकी सादगी, जनता के प्रति प्रेम, समय पड़ने पर जनता के लिए शासन-प्रशासन से भिड़ने की अदा ने उन्हें विदर्भ के लाखों लोगों के दिलों में स्थान दिया है. रवि राणा की उर्जा को देखकर कईयों को हैरत होती है. वह जानते हैं कि चीजों को कहां से शुरू करना है और कहां खत्म करना है, तथा उनसे क्या हासिल करना है. जैसा कि कहा जाता है, एक प्रसन्न मन सभी उपलब्धियों का कारण है. रवि राणा हमेशा खुश रहते हैं. वे अपने पास आने वाले लोगों के साथ घुलमिल जाते हैं और ऐसा महसूस करते हैं जैसे उनके परिवार के सदस्य उनके साथ खुश होकर उनके दुखों को कम करने और उनकी समस्याओं को हल करने का प्रयास कर रहे हैं. राणा बहुत खुशी और उत्साह के साथ प्रशासनिक कार्य कर रहे हैं, देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह के साथ ही राज्य के मुख्यमंत्री, मंत्रियों, सिविल सेवकों, मंत्रालयिक सचिवों, जिला कलेक्टरों और यहां तक कि सबसे निचले स्तर के कर्मचारियों से संपर्क कर उनकी समस्याओं का समाधान करने में आगे रहते हैं.

सबके साथ, सबको हाथ

रवि राणा ने गरीबी का अनुभव किया है. यही कारण है कि गरीबों के प्रति उनके मन में अपार प्रेम है, वे स्वयं कहते हैं कि आज भी उनकी जीत में गरीबों, दीन-दलितों, पीड़ितों के साथ वे सभी की भूमिका मानते हैं. लेकिन स्पष्ट करते हैं कि राष्ट्रधर्म से बड़ा कुछ नहीं हो सकता है. मेहनतकश लोगों और किसानों के लिए सेवा नियम है जो उनके पास काम लेकर आते हैं. कृषि मजदूर, व्यापारी वर्ग, अधिकारी, छात्र सभी हक के विधायक के रूप में उनके पास आते हैं. राणा बुजुर्गों के साथ इसी तरह व्यवहार कर उनका हौसला बढ़ाने, उनका डर कम करने और उनमें सकारात्मकता भरने का काम करते हैं और इसके लिए वह अपने दैनिक कार्यों में व्यस्त रहते हैं. उन्हें देवमाणूस मानने वाले लाखों हैं, जिनकी मुसीबत में अपने व्यक्ति के रूप में वे खड़े रहते हैं. दूसरी ओर उनका संयमित, शांत स्वभाव उनके व्यक्तित्व को और ऊंचाईयां प्रदान करता है. विनम्र स्वभाव, सभी की बात सुनना, समस्या का तत्काल समाधान करने जैसी खूबी ने उन्हें आज राजनीति के क्षेत्र में बुलंदी पर पहुंचाया है. रवि राणा हर समाज के चहेते नेता हैं. शहर ही नहीं तो बडनेरा में उन्होंने सैकड़ों मंदिरों को जहां सभागृह बनवाया, वहीं इसका उपयोग छात्रों के लिए करने की बात कहते हैं. लोगों के बीच अपना स्थान बना लिया है. उनका मजबूत पक्ष यह है कि वे धनी से लेकर आम आदमी और उद्यमियों तक की समस्याओं का १००% समाधान ढूंढने में सक्षम हैं.

सभी के प्रति अच्छी भावना, दूरदर्शिता, समझदारी और सद्भाव। दृढ़ता, हाथ में लिए कार्य को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करने का दृढ़ संकल्प लेकर काम करते हैं. वे कहते हैं कि अमरावती का सर्वांगीण विकास, बेरोजगारी खत्म करने के साथ किसानों की खुशहाली, सर्वजनहिताय और सर्वजन सुखाय को जीवन का सूत्र बना लिया है. उनके नेकी का ही यह चमत्कार है कि उन्हें पानी में देखने वाले पानी में डूबने वाली स्थिति बन गई. जबकि सबके प्रयासों के बाद भी रिकार्ड वोटों से बडनेरा के दिलों पर राज करने के कारण विधायक का ताज पहना. संकट के समय शांत आचरण बनाए रखते हुए रास्ता निकालने का कौशल उनमें होता है. खास बात यह है कि यह सब करते हुए वे अपना स्वास्थ्य भी बरकरार रख पाते हैं. विदर्भ के पहले विधायक हैं, जिनकी दिनचर्या सुबह जल्दी शुरू होकर रात देर तक चलती है. हर आने वाले के साथ आत्मीयता से मिलना, उसकी बात सुनना, राहत देने जैसी खूबी के कारण राणा निवास जनता का हक का मुख्यालय नजर आता है. यह व्यवस्था उनके बाहर रहने पर युवा स्वाभिमान के मार्गदर्शक सुनील राणा बेहतरीन तरीके से संभालते हैं. वे अपने साथियों को इस प्रकार की ताकत देते हैं कि वे किसी भी राजनीतिक, सामाजिक या जनोन्मुखी आंदोलन पर काम करते समय हिम्मत नहीं हारते और लगातार काम करते रहते हैं.वे सभी आम आदमी के प्रशंसक हैं. वे लोगों और विकास कार्यों के प्रति खुद को इतना समर्पित करने के लिए जाने जाते हैं कि वे अपने स्वास्थ्य पर भी ध्यान नहीं देते हैं, और वे अपने दैनिक जन-केंद्रित कार्यों को एक ही मन से करते हैं.

वे स्वयं कहते हैं कि जनता से बढ़कर उनके लिए कोई नहीं होता है. जनता ने ही गरीब के बेटे को विधायक बनाते हुए आज भी उन पर प्रेम न्यौछावर करती है. इसलिए अंतिम सांस तक जनता के हितों, जनता की दिक्कतों को दूर करने के लिए जान की बाजी लगाने वाले अपार लोकप्रियता के शिखर पर पहुंचे दबंग नेता विधायक रवि राणा को जन्मदिन २८ अप्रैल पर मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें और जनता के कार्य इसी तरह कई दशकों तक करते रहें, प्रभु चरणों में यही कामना.

महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग की परीक्षा में शानदार कामयाबी प्राप्त करने वाले अमित बनारसे का विदर्भ स्वाभिमान के छाया कॉलोनी स्थित मुख्यालय में शनिवार सुबह १०:०० बजे सत्कार किया गया. अमित ने गरीब बच्चों को एमपीएससी की परीक्षा में मार्गदर्शन करने का जहां संकल्प जताया वही स्पष्ट किया कि अगर सही मायने में मेहनत की जाए तो यह परीक्षा पास करना कोई कठिन कार्य नहीं है. मौके पर डॉ अजय बोंडे, मनोज चोरे, राजेश सोलव, समाजसेवी राजेश बनारसे, विदर्भ स्वाभिमान के संपादक सुभाष दुबे, श्वेता, वंशिका सहित अन्य मान्यवर उपस्थित थे. – फोटो– श्वेता दुबे

समाज की एकता में दें योगदान

समाजसेवी विजय ओझा का प्रतिपादन

अमरावती– बदलते दौर में आज एकता का महत्व तेजी से बढ़ रहा है. एकता से ही परिवार की प्रगति और समाज की भी प्रगति होती है. एकता के कारण ही समाज सबसे बड़ी ताकत बनता है, इसको ध्यान में रखते हुए समाज को एकजुट होने का प्रयास करना चाहिए, समाज तब तक के मजबूत ताकत नहीं बनता जब तक समाज में एकता ना हो. हम सभी भगवान परशुराम के वंशज हैं और शास्त्र के साथ ही सुरक्षा के लिए स्वयं को मजबूत बनाने की भी जरूरत है. भाषण न भेद, सभी ब्राह्मण एक के सिद्धांत पर कार्य करते हुए हमें एक दूसरे को सहयोग देने की भावना सदैव रखनी चाहिए और समाज की एकता तथा मजबूती का प्रयास करना चाहिए. इस आशय का प्रतिपादन समाजसेवी हरि कृष्णा साड़ी के संचालक विजय ओझा दी ने दी. उन्होंने सभी समाज बंधुओ को भगवान परशुराम जन्मोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए शोभायात्रा में शरीक होने का आग्रह किया.

सबके साथ से करें समाज का विकास

समाजसेवी रामेश्वर उपाध्याय का प्रतिपादन

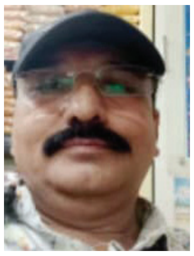

अमरावती–कहावत है कि अकेला चना भाड़ नहीं पड़ता ठीक उसी तरह कोई भी समाज तब तक के मजबूत ताकत नहीं बनता जब तक समाज में एकता ना हो. हम सभी भगवान परशुराम के वंशज हैं और शास्त्र के साथ ही सुरक्षा के लिए स्वयं को मजबूत बनाने की भी जरूरत है. भाषण न भेद, सभी ब्राह्मण एक के सिद्धांत पर कार्य करते हुए हमें एक दूसरे को सहयोग देने की भावना सदैव रखनी चाहिए और समाज की एकता तथा मजबूती का प्रयास करना चाहिए. इस आशय का प्रतिपादन समाजसेवी तथा उपाध्याय मिठाइयां एवं विनय ड्राई फ्रूट के संचालक रामेश्वर उपाध्याय ने दी. उन्होंने सभी समाज बंधुओ को भगवान परशुराम जन्मोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए शोभायात्रा में शरीक होने का आग्रह किया.

समाज की एकता है समय की जरूरत

समाजसेवी अभिलाष मिश्रा का प्रतिपादन

अमरावती– बदलते दौर में आज एकता का महत्व तेजी से बढ़ रहा है. ब्राह्मण समाज को भी शाखाओं मैं स्वयं को नहीं बांटते हुए भाषा न भेद सभी ब्राह्मण एक को जीवन में उतारते हुए सभी ब्राह्मणों से एकता के माध्यम से ताकत बनने का आग्रह किया. अभिलाष मिश्रा के मुताबिक एकता से ही परिवार की प्रगति और समाज की भी प्रगति होती है. एकता के कारण ही समाज सबसे बड़ी ताकत बनता है, इसको ध्यान में रखते हुए समाज को एकजुट होने का प्रयास करना चाहिए, समाज तब तक के मजबूत ताकत नहीं बनता जब तक समाज में एकता ना हो. हम सभी भगवान परशुराम के वंशज हैं और शास्त्र के साथ ही सुरक्षा के लिए स्वयं को मजबूत बनाने की भी जरूरत है. भाषण न भेद, सभी ब्राह्मण एक के सिद्धांत पर कार्य करते हुए हमें एक दूसरे को सहयोग देने की भावना सदैव रखनी चाहिए और समाज की एकता तथा मजबूती का प्रयास करना चाहिए. इस आशय का प्रतिपादन समाजसेवी युवा पत्रकार अभिलाष मिश्रा दी ने दी. उन्होंने सभी समाज बंधुओ को भगवान परशुराम जन्मोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए शोभायात्रा में शरीक होने का आग्रह किया.

एकता के लिए सभी करें प्रयास

अ.भा. ब्राह्मण महासंघ के विदर्भ प्रांत प्रमुख रमेश छांगानी का प्रतिपादन

अमरावती–ब्राह्मण समाज मेहनत, विद्वता के साथ ही समाज तथा राष्ट्र के लिए समर्पित होकर सदैव कार्यकर्ता है. भारत का यह एकमात्र ऐसा समाज है कि जो कभी नकारात्मक बातों में नहीं रहता है. भाषा न भेद, सभी ब्राह्मण एक के सिद्धांत को अपनाते हुए भगवान परशुराम जन्मोत्सव से सभी को एकता के सूत्र में बा

बंधने और जितना संभव हो सके एक दूसरे का सहयोग करने का प्रयास करना चाहिए. भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं. शोभायात्रा सभी के सहयोग से अभूतपूर्व रही और इसके लिए सभी के प्रति उन्होंने कृतज्ञ भी जताई.

पिछले ५२ वर्षों से श्री रामचरितमानस परिषद के माध्यम से अभी तक ढाई हजार से अधिक संगीतमय सुंदरकांड कर चुके पप्पू छांगानी के मुताबिक देश में आज संस्कारों की सबसे अधिक जरूरत है. ब्राह्मण समाज को एकता के माध्यम से ताकत बनकर हर क्षेत्र में सफल बनने का संकल्प लेने और समाज के मेधावी छात्रों की मदद के लिए सदैव प्रयास करने का आग्रह उन्होंने किया. अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ के विदर्भ प्रांत प्रमुख के रूप में ब्राह्मण की सभी शाखों को प्रोत्साहित करने का कार्य वे करते हैं. उनका मानना है कि अगर हम अलग रहेंगे तो कभी ताकत नहीं बन पाएंगे.

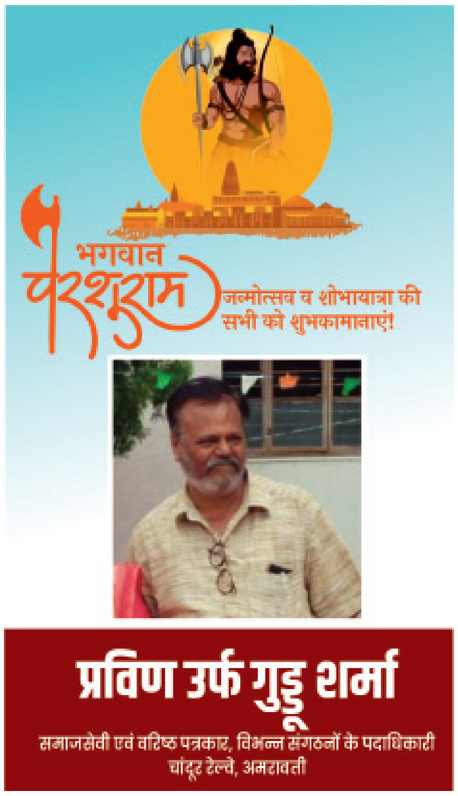

बुजूर्गों की जगह घर मे, वृध्द आश्रम मे नही - विक्की शर्मा का प्रतिपादन

श्री परशुराम जन्मोत्सव शोभायात्रा साप्ताहिक महोत्सव अंतर्गत सुख शांती वृद्धाश्रम को भेट

अखिल भारतीय ब्राम्हण महासंघ अमरावती द्वारा भगवान श्री परशुरामजी जन्मोत्सव साप्ताहिक महोत्सव की दिनांक २३/०४/२०२५ से शुरुवात की गई. जिसके तहत शुक्रवार दिनांक २५/०४/२०२५ को शाम में जेवड नगर स्थित सुख शांती वृद्धाश्रम को अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ एवं समाज बंधुओ द्वारा भेट दी गई. जहाँ वृद्धाश्रम के सभी वृद्ध लोगो से बातचीत कर उनके साथ कुछ पल सभी ने बिताये. तत्पश्चात सभी वृद्धो को भोजन कराया गया. वृद्धावस्था जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण है. इस अवस्था में बुजुर्गों को सम्मान, देखभाल एवं प्यार की सबसे ज्यादा जरूरत होती है. ऐसें समय आज के बहुत से बच्चे अपने माता-पिता को घर पर नहीं चाहते हैं और वृद्धाश्रम में भेजते हैं. बुजूर्गो का आदर करना हमारी संस्कृती हैं. हमारे बुजूर्गो की जगह हमारे घर मे होनी चाहीए, वृद्धाश्रम मे नही ऐसा प्रतिपादन परशुराम शोभायात्रा समिती के संयोजक विक्की उर्फ विजय पुरुषोत्तमजी शर्मा ने किया. इस वक्त अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ विदर्भ प्रांत अध्यक्ष श्री रमेश उर्फ पप्पूभाऊ छांगाणी, जिल्हा अध्यक्ष डॉ. शशांकजी दुबे, शहर अध्यक्ष श्री गणेश जोशी गुरुजी, महिला शहर अध्यक्ष सौ. ज्योती शर्मा, युवा जिल्हा अध्यक्ष श्री विक्की उर्फ विजय शर्मा, ज्येष्ठ समाजसेवी देवदत्तजी जोशी, गोपाल दुबे, राजकुमार तिवारी, जितेंद्र शर्मा, मयूर भालेराव, आशिष मिश्रा, राजेश तिवारी, राजेश चौबे, नितीन अंबुलकर, राहुल वाठोडकर, मनिष शर्मा, निकिता शुक्ला, डॉ. नमिता तिवारी, निशा मिश्रा उपस्थित थे.

धर्म-कर्म -विद्वता का संगम है ब्राह्मण समाज

समाजसेवी चंद्र कुमार जाजोदिया ने भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर दी शुभकामनाएं

विदर्भ स्वाभिमान,२९ अप्रैल

अमरावती-ब्राह्मण समाज धर्म और कर्म के साथ आदर्श आचार विचार और संस्कारों का संगम है. शांति प्रियता के साथ धार्मिक तथा सामाजिक कार्यों में यह समाज सदैव अग्रणी रहता है. काम में जहां यह समर्पित है वहीं भक्ति भाव में भी सदैव आगे रहता है. इस समाज के आराध्य भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष में सभी ब्राह्मण बंधुओं को हार्दिक शुभकामनाएं. माता-पिता के आदर्श भक्त के रूप में भगवान परशुराम भगवान विष्णु के अवतार हैं और महान तपस्वी तथा बलशाली राजा भी हुए हैं.

चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया
मो. नं.९५८८८११११

समूचे विश्व को अन्य किसी भी रूप में सहन नहीं करने का जहां उन्होंने संदेश दिया है वहीं दूसरी ओर महान गुरु के रूप में उनके शिष्यों में भीष्म पितामह, गुरु द्रोणाचार्य, महान योद्धा कर्ण का समावेश है. अमरावती में अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव मनाया जा रहा है. २४ अप्रैल को गौ माता की सेवा से यह जन्मोत्सव महोत्सव शुरू हुआ है और बेहतरीन कार्यक्रम हो रहे हैं. सती धाम मंदिर में हुई श्याम भजन संध्या में १२०० से अधिक भक्तों की सहभागिता इस कार्यक्रम की शानदार कामयाबी का सबूत है और इसके लिए भगवान परशुराम जन्मोत्सव शोभा यात्रा समिति के संयोजक विक्की उर्फ विजय पुरुषोत्तम शर्मा तथा पूरी टीम का अभिनंदन भी सामाजिक कार्यों में अग्रणी रहने वाले चंद्र कुमार उर्फ लप्पी भैया जाजोदिया ने किया. इस उपलक्ष में उन्होंने समस्त ब्राह्मण समाज को शुभकामनाएं देते हुए शोभायात्रा में सभी से सहभागी होने और अन्य कार्यक्रमों को भी सफल बनाने का आग्रह किया.

स्वास्थ्य के लिए बेहतरीन है अरेपस ज्यूस

अरेपस एक संस्कृत शब्द है, अरेपस का अर्थ है शुद्ध. (शुद्ध) अरेपस कोल्ड प्रेस जूस जैसा कि नाम से ही पता चलता है, वैसा ही होगा. क्योंकि इस आउटलेट के माध्यम से हम ग्राहकों तक जो भी पहुंचाने की कोशिश करेंगे वह पूरी तरह से ईमानदार होगी, साथ ही स्वास्थ्य के लिए भी बेहतरीन होगा. इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान मुझे अपने भाई के साथ दुबई जाने का अवसर मिला. दुबई की संस्कृति निश्चित रूप से हमारे भारत से अलग है. जैसे ही मैंने वहां के जूस सेंटर की साफ-सफाई, स्वच्छता और शुद्ध जूस देखा, मैंने तुरंत सोचा कि हमें अमरावती में भी इस तरह का एक नया व्यवसाय शुरू करना चाहिए.

जैसे ही मैंने अपना एमबीए पूरा किया, मैंने कोल्ड प्रेस जूस के विषय का अध्ययन करने और एक आउटलेट स्थापित करने का फैसला किया. मैं इस पर काम करता रहा, क्योंकि मुझे एक के बाद एक विचार मिलते रहे... मैंने कई आहार विशेषज्ञों से सलाह ली. मैंने ध्यान से एक फल और उसके महत्व की जांच की कि एक व्यक्ति को इसे कितना लेना चाहिए, और उसी के अनुसार, मैंने सादे जूस और विभिन्न प्रकार के जूस बनाए.

हमने एक कॉम्बिनेशन तैयार किया है और हम ओरकेन नाम से बिना बर्फ के ठंडा गन्ने का रस भी दे रहे हैं. जिस मशीन से हम फल निकालते हैं, वो मशीन फल को दबाती है, जिससे उसमें गर्मी उत्पन्न नहीं होती और फल के मुख्य गुण बरकरार रहते हैं. आज मैं केवल एक बात से संतुष्ट हूं, मैं जो व्यवसाय कर रहा हूं, उसमें निश्चित रूप से सामने वाले द्वारा कोई धोखा नहीं किया जा रहा है. मुझे अमरावती के लोगों से बहुत अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है. इसके लिए जहां दिल से आभारी हूं, वहीं गुणवत्ता, स्वास्थ्य के साथ ही ईमानदारी से ही यह व्यवसाय करने का वचन दे सकता हूं.

निषाद नितिन अम्बुलकर.
संचालक, अरेपस जूस,
अमरावती.

भगवान परशुराम जन्मोत्सव महोत्सव रहा शानदार

श्री परशुराम जन्मोत्सव सप्ताह के दूसरे दिन झूम उठे श्याम प्रेमी

विदर्भ स्वाभिमान, २८ अप्रैल

अमरावती-ब्राह्मण समाज की आराध्य भगवान परशुराम जन्मोत्सव महोत्सव अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ के नेतृत्व में भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव शोभायात्रा समिति द्वारा भव्य पैमाने पर मनाया गया. २३ अप्रैल से २८ अप्रैल तक निशान यात्रा, महाकाली माता गौशाला में मां गौ का पूजन, सती धाम मंदिर में श्याम भजन संध्या, शनिवार को मरीजों को फल वितरण और रविवार को स्वास्थ्य शिविर के अलावा सोमवार को कुटुंब प्रबोधन गतिविधि जैसे विभिन्न कार्यक्रम लिए गए. सभी कार्यक्रमों को समाज बंधुओ का अभूतपूर्व प्रतिसाद मिलने की जानकारी संयोजक विक्की उर्फ विजय पुरुषोत्तम शर्मा ने दी.

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ अमरावती जिल्हा द्वारा भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव उपलक्ष्य में गत २६ वर्षो से शोभायात्रा का आयोजन किया जा रहा है. इस वर्ष भगवान श्री परशुरामजी जन्मोत्सव सप्ताह मनाने की संकल्पना अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ युवा जिल्हा अध्यक्ष श्री विक्की उर्फ विजय पुरूषोत्तम शर्मा द्वारा की गई. प्रस्तुत साप्ताहिक महोत्सव के दुसरे दिन याने दिनांक २४/०४/२०२५ को शाम ०८.०० बजे स्थानिक सतिधाम मंदिर मे श्याम संकीतर्न का आयोजन किया गया था. संकीर्तन भजन प्रवाहक श्री रवी ओझा, दीपक उपाध्याय, मुकेश छाँगानी,जय जोशी,मयंक छांगाणी,एवं आशिता पांडे ने अपने सुमधुर स्वर से श्याम भक्तो का मन मोहित किया. मंत्रोच्चार से भक्तीगीत की शुरूवात हुई. श्याम बाबा का अलौकिक श्रृंगार, इत्र तथा पुष्प वर्षा यह विशेष आकर्षण का केंद्र रहा. हम तो बाबा के भरोसे चलते है और कीर्तन करूँ ऐसा इतिहास बना दूँगा... से गुंज उठा सतीधाम मंदिर परिसर इन भजन पर सभी श्याम प्रेमी झूम उठे. श्याम बाबा की पूजा अर्चना के पश्चात सभी भक्तो को साबुदाना खिचडी व प्रसाद के रूप में नारियल की बर्फी का वाटप किया गया. इस वक्त अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ विदर्भ प्रांत अध्यक्ष श्री रमेश उर्फ पप्पूभाऊ छांगाणी, जिल्हा अध्यक्ष डॉ. शशांकजी दुबे, शहर अध्यक्ष श्री गणेश जोशी गुरुजी, महिला शहर अध्यक्ष सौ. ज्योती शर्मा, युवा जिल्हा अध्यक्ष श्री विक्की उर्फ विजय शर्मा, ज्येष्ठ समाजसेवी पुरुषोत्तमजी शर्मा, देवदत्तजी जोशी, रवीन्द्र खांडेकर,गोपाल दुबे, राजेश तिवारी, राजेश चौबे, गोपाल दुबे, ,सतिष करेसीया राजकुमार तिवारी, राजेन्द्र शर्मा,विनोद शर्मा, प्रमोद शर्मा, सुशील शर्मा, अनिल शर्मा,हनी शर्मा ,नितीन अंबुलकर, कैलाश व्यास,रोबिन शर्मा,मोहीत व्यास,राज दुबे.

रेखा शर्मा, शालिनी शर्मा, सुनीता शर्मा, ऍड. नमिता तिवारी, सारिका मिश्रा, निकिता शुक्ला, स्वाती त्रिपाठी, निशा मिश्रा, मनिषा उपाध्याय, नमिता तिवारी, मोनिका गुप्ता ,जया गुप्ता, वैष्णवी व्यास, रिद्धि शर्मा, अनीता व्यास, सुनीता भगत, कांताबाई शर्मा, पुष्पा पांडे, डॉक्टर एडवोकेट नामित तिवारी आशा शर्मा, खुशबू शर्मा, कंचन शर्मा, सुनीता शर्मा, सुनीता पौडवाल शालिनी शर्मा, पदमा शर्मा, सरोज पडवाल, रेखा शर्मा, रंजना मानका, नमिता तिवारी, सुनीता सवैया, रेखा मोहोड सुनीता साहू, अलका शर्मा अर्चना तिवारी, शीतल इंगोले रानी जी इंगोले, राधा शर्मा, शशी शर्मा, चंचल पांडे, प्रियंका तिवारी आस्था शर्मा, गायत्री शर्मा पूर्वा शर्मा, शशि शर्मा, गुंजन मुरई,रवि गुल्हाने, रविंद्र ठाकुर, मधुकर, वेदप्रकाश जागीड, राजेश चौबे, हर्ष शर्मा सचिन शर्मा, रोहित गुप्ता,जीतू शर्मा, राजेश मारवाल, ईत्यादि मान्यवर उपस्थित थे.

B.J.P
Y.S.P
सदैव जनतेसाठी
शेतकरी शेतमजुरांचे कैवारी
बडनेरा विधानसभा मतदारसंघाचे
कर्तव्यदक्ष आमदार
श्री. रविभाऊ राणा
आपणांस म·नः·पू·र्व·क
वाढदिवसाच्या शु·भे·च्छा!
बोले तैसा चाले
PM मित्रा मेगा टेक्सटाईल पार्क
बडनेरा वॅगन फॅक्टरी
अमरावती विमानतळ
मेडिकल कॉलेज
मॉडेल रेल्वे स्थानक बडनेरा,
नया अमरावती (आकोली)
निराधारांना पगारवाढ
जलजीवन मिशन
हर घर जल नल
टॅक्स माफी
आरोग्य
(रुग्णसेवा हीच ईश्वरसेवा)
भारतीय जन संचार संस्थान
अमरावती (IIMC)
आपल्या हक्काच्या घराचे
स्वप्न पूर्ण करणारे आमदार
PR कार्ड - (८ अ) वाटप
भातकुली तहसील कार्यालय
शादीखाना हॉल
खोलापुरी गेट
पोलीस स्टेशन
सांस्कृतिक भवन

भगवान
परशुराम
जन्मोत्सव व शोभायात्रा की
सभी को शुभकामानाएं!
शुभेच्छूक-
रमेश उर्फ पप्पू छांगाणी परिवार, अमरावती

राजनीति में चाणक्य व्यक्तित्व हैं

चमत्कारी राजनेता,गरीबों के लिए किसी से भी जूझने का रखते हैं माद्दा

बिना किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि के भी सटीक आकलन, जनता के लिए कुछ भी करने की तैयारी, विकास के महामेरू और बोले तैसा चाले वाला व्यक्तित्व रखने वाले बडनेरा के रिकार्डधारी विधायक रवि राणा को अमरावती की राजनीति में चाणक्य की उपमा देना अतिशयोक्ति नहीं होगी. हर साल विधानसभा चुनाव में सभी मिलकर उन्हें घेरते हैं, पूरी एकता लगाते हैं लेकिन जनता के दिल पर राज करने वाले रवि राणा नया रिकार्ड बना लेते हैं. उनकी सादगी, लोगों के प्रति प्रेम, लोगों में उनका सम्मान ही निश्चित तौर पर उन्हें लोगों के दिलों में रखता है. विकास तथा जनता के मामले में किसी की नहीं सुनते हैं.

देश व धर्म के प्रति कर्मठता उनकी जहां खूबी है, वहीं विकास का विजन तथा राज्यस्तर से लेकर केन्द्र तक उनकी लोकप्रियता और दबंग नेता की प्रतिमा निश्चित तौर पर हटकर होती है. विधायक रवि राणा देश व धर्म की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं, इस कारण यह उनकी प्राथमिकता है। उनके सुझाव पर युवा स्वाभिमान पार्टी व भाजपा ने संयुक्त रूप से राजापेठ चौक पर पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा किए गए कायरतापूर्ण हमले में मारे गए नागरिकों को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। राष्ट्रधर्म को जहां वे सबसे बड़ा धर्म मानते हैं, वहीं मेहनत, जनहित में समर्पण के कारण सदैव हटकर ही काम भी करते हैं. उनकें वरोधी भी उनकी कार्यप्रणाली को कभी नहीं भांप पाते हैं.पहलगाम में हिन्दू पर्यटकों की हत्या की घटना ने उन्हें हिला दिया है. संवेदनशीलता इतनी कि उन्होंने जन्मदिन भी सादगी से मनाने का फैसला किया है. 28 अप्रैल को सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति सजग विधायक रवि सर्वप्रथम श्रद्धांजलि अर्पित कर घायल नागरिकों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की ईश्वर के चरणों में प्रार्थना करेंगे। साथ ही सामूहिक रक्तदान शिविर का आयोजन कर जरूरतमंद मरीजों की सेवा का प्रयास करेंगे. देश और धर्म को सबसे पहले इस बारे में सोचना होगा. उनकी स्मरण शक्ति विलक्षण है, वह कभी कोई बात भूलते नहीं हैं और समय आने पर उसका मुंहतोड़ जवाब देते हैं. उनके पास कभी भी कलम या डायरी नहीं रहती. उसकी योजना अलिखित है.सादगी इतनी कि किसी ठेले वाले को गले लगाने के साथ ही बुजुर्ग महिला के पैर छूकर आशिर्वाद लेने का बड़प्पन उनके व्यक्तित्व को और बड़ा बना देता है. उनका सार्वजनिक सेवा कार्य चौबीसों घंटे सातों दिन चलता है.

भाग्यशाली इतने हैं क पूरा परिवार उनके प्रति जहां समर्पित है, उनकी कामयाबी को पूरा सहयोग देता है, वहीं हर कार्यकर्ता उन्हें अपना तारणहार मानकर उनके लिए प्राण न्यौछाव र करने तक की सोच रखता है.बड़े भाई सुनील राणा का समर्पण हो या भाभी का साथ, उनके परिवार के सदस्य, जिन्होंने उसी प्यार से उनका साथ दिया है. बड़ी दिलचस्पी से उनका साथ देने आए लोगों से सवाल-जवाब कर रहे हैं. युवा स्वाभिमान पार्टी के पदाधिकारियों के साथ ही एक कार्यालय स्टॉप भी है, जो भाऊ कें लए जी-जान से कार्य करता है. रवि राणा की अलिखित योजना आधुनिक समय की चमत्कारिक राजनीतिक गणना है. ऐसा व्यक्ति जो तर्कशास्त्र तथा किसी स्थान विशेष पर कितनी भूमि उपलब्ध है, इसका ज्ञान रखता हो.उन्हें जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

राजनीति में रिकार्डधारी विधायक रवि राणा भाग्य के भी बलवत्तर हैं. उनके राजनीतिक जीवन पर नजर दौड़ाने के बाद यह स्पष्ट दिखाई देता है कि उन्हें जितना ही घेरने का प्रयास किया जाता है, वह उतना ही निखरते हैं. संत-महात्माओं में जो लोग आजानुबाहु होते हैं, उनके जीवन में सदैव चमत्कार ही कामयाबी के मामले में होती है.

शुभेच्छुक

अरविंद गंगेले पूर्व नायब तहसीलदार, सौ. आशा गंगेले तथा परिवार, न्यू गणेश कॉलोनी, अमरावती.

शुभेच्छुक

वीरेन्द्र तिवारी,सौ. सुधा तिवारी, डॉ. अनुराग तिवारी तथा समस्त तिवारी परिवार, स्टेट बैंक कॉलोनी,राजापेठ के पीछे, अमरावती.

कार्यकर्ता सदैव जान देने के लिए रहते हैं तैयार

विधायक रवि राणा जहां बेहतरीन नेता हैं, वहीं युवा स्वाभिमान पार्टी के संस्थापपक हैं. शुरूवात दौर के कार्यकर्ताओं के साथ ही सभी कार्यकर्ताओं को अपने परिवार का जहां सदस्य मानते हैं, वहीं उनका हर सुख और दुख अपना मानते हैं. उनकी सादगी के कायल कार्यकर्ता उनकी एक आवाज पर मरने-मिटने भी तैयार रहते हैं उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कार्यकर्ताओं के दिलों में रहते हैं. उनके कुछ काम तो लोगों को पहले उल्टा लगता है लेकिन भाग्य के धनी रवि राणा द्वारा किया गया वह काम बाद में उनके बारे में लोगों को सोचने

मजबूर कर देता है कि यह व्यक्ति किसी मिट्टी का बना है. किसी की जाति,धर्म जैसी सोच नहीं रखते हुए उनके पास आने वाले हर व्यक्ति की मदद की भावना रहती है. उनके स्वभाव में सादगी इतनी है कि हाथगाड़ी वाले को गले लगाने के साथ ही संबंधों को जिंदा रखने का प्रयास करते हैं. यही कारण है कि युवा स्वाभिमान पार्टी के सदस्यों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है. वे कहते हैं कि जनता और कार्यकर्ताओं के बलबूते ही वे यहां तक पहुंचे हैं. इसलिए वे उनके लिए सबसे कीमती हैं.

शिर्डी एयरपोर्ट पर दो हेलीपैड और आठ पार्किंग स्थल मंजूर

अमरावती एयरपोर्ट की रनवे विस्तार योजना प्रस्तुत करें : मुखमंत्री देवेंद्र फडणवीस

विदर्भ स्वाभिमान,29 अप्रैल

मुंबई-आगामी नासिक-त्र्यंबकेश्वर कुंभ मेले के मद्देनज़र, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शिर्डी हवाई अड्डे पर दो हेलीपैड और आठ वाहन पार्किंग स्थल के निर्माण, साथ ही हवाई अड्डे के विस्तार एवं आधुनिकीकरण को महाराष्ट्र हवाई अड्डा प्राधिकरण की बैठक में मंजूरी दी. साथ ही, मुख्यमंत्री ने अमरावती एयरपोर्ट की रनवे विस्तार योजना प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए.महाराष्ट्र हवाई अड्डा प्राधिकरण के संचालक मंडल की 91वीं बैठक सह्याद्री अतिथिगृह के सभागार में आयोजित की गई. इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे भी उपस्थित थे. प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक स्वाति पांडे ने प्रस्तुति के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी.मुख्यमंत्री ने कहा कि अमरावती में औद्योगिक क्षेत्र का तीव्र गति से विस्तार हो रहा है, इसलिए वहाँ की रनवे का विस्तार आवश्यक है. साथ ही, एयरपोर्ट से राजस्व अर्जित करने हेतु एक योजना भी तैयार की जाए. उन्होंने यह भी बताया कि शिर्डी हवाई अड्डे पर कार्गो टर्मिनल का कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है. चूंकि शिर्डी एयरपोर्ट, नासिक के निकट है, अतः कुंभ मेले के दौरान हवाई मार्ग से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह सुविधाजनक रहेगा. संभावित भीड़ और नासिक एयरपोर्ट की सीमित क्षमता को ध्यान में रखते हुए शिर्डी एयरपोर्ट के विस्तार की योजना को मंजूरी दी गई है. इसमें 8 वाहन पार्किंग स्थल, 2 हेलीपैड और टर्मिनल का आधुनिकीकरण शामिल है. इसका लाभ कुंभ मेले के दौरान विमानों एवं हेलीकॉप्टर सेवाओं को मिलेगा.लातूर जिले का विविध क्षेत्रों में तीव्र विकास हो रहा है, जिससे लातूर एयरपोर्ट का महत्व और भी बढ़ गया है. अतः इस एयरपोर्ट का शीघ्र विकास किया जाना चाहिए, जिससे लातूर के साथ-साथ बीड़ और धाराशिव जिलों को भी लाभ मिलेगा. कराड हवाई अड्डे पर कार्य में तेजी लाकर वहां नाइट लैंडिंग की सुविधा विकसित करने के निर्देश भी मुख्यमंत्री ने दिए.चंद्रपुर हवाई अड्डे पर चार्टर्ड विमानों के उतरने की सुविधा हेतु रनवे का विस्तार किया जाए. वहीं, गढ़चिरोली के एयरपोर्ट के लिए दो-तीन वैकल्पिक स्थलों पर विचार करने के निर्देश भी दिए गए.इस अवसर पर रत्नागिरी, अकोला, कोल्हापुर, नांदेड और धुले हवाई अड्डों के कार्यों की भी समीक्षा की गई. क्षेत्रीय संपर्क योजना के अंतर्गत वर्तमान में राज्य में 16 मार्गों पर विमान सेवाएं संचालित हो रही हैं, और उड़ान योजना (छक्त्र्ञ्ज) के तहत राज्य के 8 प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजे गए हैं.बैठक में प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक स्वाति पांडे, संचालक मंडल के सदस्य एवं वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव ओ. पी. गुप्ता, परिवहन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय सेठी, एमआईडीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पी. वेलरासु सहित विभिन्न वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे.

शुभेच्छुक

डॉ.विजय चौबे, सौ.निशि चौबे परिवार,अमरावती.

जीवन बदलने का माध्यम है शिक्षा- प्राचार्य मनीषा सेंगर

अमरावती- शिक्षा केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि यह हर बच्चे का जीवन बदलने का माध्यम है. यह वह बीज है, जिसे अगर सही समय पर बोया और सींचा जाए तो वह एक ऐसे वृक्ष में बदलता है जो न केवल स्वयं को, बल्कि अपने आसपास के पूरे वातावरण को भी फल देता है.यह कहना है पोद्दार इंटरनेशनल स्कूल कठोरा नाका की प्राचार्य मनीषा सेंगर का. उनके मुताबिक शिक्षा केवल पुस्तकों और परीक्षाओं तक सीमित नहीं है. यह वह माध्यम है जो किसी व्यक्ति के अंदर आत्मविश्वास, सोचने की क्षमता, नैतिक मूल्य और समाज के प्रति उत्तरदायित्व विकसित करता है. एक शिक्षित व्यक्ति न केवल अपना जीवन संवारता है,बल्कि समाज को भी एक नई दिशा देता है. इसलिए मैं हमेशा कहती हूँ शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण करना भी होना चाहिए.हमारी वर्तमान शिक्षा प्रणाली में कई सकारात्मक पहलू हैं, जैसे तकनीकी विकास और बच्चों के लिए नई-नई सुविधाएँ. लेकिन अभी भी इसमें सुधार की आवश्यकता है. हमें रटने की प्रणाली से हटकर बच्चों की रचनात्मकता,कौशल और मूल्य आधारित शिक्षा को प्राथमिकता देनी होगी. साथ ही, शिक्षा प्रणाली को अधिक लचीला और समावेशी बनाना चाहिए ताकि हर बच्चा अपनी क्षमताओं के अनुसार सीख सके.हर बच्चा अलग होता है, उसकी सोचने की शक्ति, सीखने का तरीका और रुचियाँ अलग होती हैं. हमें बच्चों पर नंबर या ग्रेड का बोझ न डालकर, उनके व्यक्तित्व के विकास पर ध्यान देना चाहिए. आज के छात्र बहुत बुद्धिमान और संवेदनशील हैं. हमें बस उन्हें सही दिशा देने प्रेरित करने की आवश्यकता है.अगर हम मिलकर शिक्षा को एक सकारात्मक, समावेशी और मूल्य आधारित अनुभव बना दें, तो हमारा समाज और हमारा देश, दोनों ही एक उज्जवल भविष्य की ओर अग्रसर होंगे.यही देश को महाशक्ती बनाएगी.

पाकिस्तान पर शीघ्र होगी कड़ी कार्रवाई,नौसेना कर रही अभ्यास

नई दिल्ली- पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने सुरक्षा के दृष्टिकोण से 30 अप्रैल से 3 मई तक गुजरात तट के पास अरब सागर में नौसेना बड़े पैमाने पर अभ्यास कर रही है. इस दौरान किसी भी असामान्य गतिविधि के प्रति युद्धपोतों को सतर्क रखा गया है. तीनों ही सेनाओं को सरकार ने फ्री हैंड दे दिया है, इससे आगामी सप्ताह भर में पाक के खिलाफ कठोर कार्रवाई की संभावना सूत्रों ने जताई है. हाल ही में भारतीय नौसेना ने अपने युद्धपोतों से कई एंटी-शिप मिसाइल फायरिंग कर सफलतापूर्वक लंबी दूरी के सटीक हमलों की तैयारी को साबित किया था. अब भारतीय नौसेना कई तरह के अभ्यास में जुटी है जिसमें मिसाइल फायरिंग और युद्धाभ्यास शामिल हैं.आने वाले दिनों में और भी कई प्रदर्शन और अभ्यास की योजना है. भारतीय कोस्ट गार्ड ने भी गुजरात तट से दूर अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा के निकट जहाज तैनात किए हैं और निगरानी बढ़ाने के लिए नौसेना के साथ साथ मिलकर काम कर रहे हैं.

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भारतीय नौसेना के प्रवक्ता ने कहा कि अभ्यास के दौरान की गई फायरिंग लंबी दूरी के सटीक आक्रामक हमलों के लिए प्लेटफॉर्मों, प्रणालियों और चालक दल की तत्परता को प्रमाणित करने और प्रदर्शित करने के लिए की गई थी.भारतीय नौसेना ने युद्धपोतों को अरब सागर में तैनात किया है और इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य युद्ध के दौरान नौसेना की तत्परता और भारत के समुद्री हितों की रक्षा करने की उसकी क्षमता का प्रदर्शन करना था.